ShaneNabi.In
Best Sunni Islamic Website
(बेस्ट सुन्नी इस्लामिक वेबसाईट)

नात ए मुस्तफ़ा सुन कर रूह जब मचलती है

(हिन्दी नात लीरिक्स)

लिखा है (लेखक): असद इक़बाल कलकत्तवी

सोशल नेटवरकस पर हमें फ़ॉलो करें:

https://youtube.com/@shanenabi
https://www.facebook.com/shanenabi.in
https://www.instagram.com/shanenabi.in
https://twitter.com/ShaneNabi_In

अधिक लीरिक्स और इस्लामी सामग्री के लिए कृपया हमारी वेबसाईट https://shanenabi.in पर जाये
यह लीरिक्स https://shanenabi.in से डाउनलोड/प्रिंट किया गया है
सहायता/अनुरोध के लिए support@shanenabi.in पर हमसे संपर्क करें

नात ए मुस्तफ़ा सुन कर रुह जब मचलती है
आशिक़ों के चेहरे से चाँदनी निकलती है

उन के सदक़े खाते हैं, उन के सदक़े पीते हैं
मुस्तफ़ा की चौखट से कायनात पलती है

थाम कर शह ए दीं की रहमतों की ऊँगली को
जन्नत ए मोहब्बत में ज़िंदगी टहलती है

काश ! वो नज़र आते ख़्वाब के दरीचे से
मेरी दीद ए हसरत पहरों आँख मलती है

लफ़्ज़ ए कुन के जल्वे में मुस्तफ़ा का जल्वा है
नूर ए मुस्तफ़ाई में कायनात ढलती है

© ShaneNabi.In
© ShaneNabi.In
© ShaneNabi.In